



## भारत की डजिटल अर्थव्यवस्था स्थिति (SIDE) रिपोर्ट 2024

### प्रलिस के लयि:

भारत की डजिटल अर्थव्यवस्था की स्थिति (SIDE) रिपोर्ट 2024, [डजिटल इंडिया](#), [भारतनेट](#), [ओपन नेटवर्क फॉर डजिटल कॉमर्स](#), [5G रोलआउट](#), [सकल इंडिया डजिटल हब](#), [भारत का आत्मनरिभर भारत वजिन](#), [आयुषमान भारत डजिटल मशिन](#) ।

### मेन्स के लयि:

भारत के डजिटल वकिस के प्रमुख चालक, भारत के डजिटल वकिस से जुड़े प्रमुख मुद्दे ।

[स्रोत: पी.आई.बी](#)

### चर्चा में क्यों?

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा तैयार भारत की डजिटल अर्थव्यवस्था की स्थिति (SIDE) रिपोर्ट 2024, भारत की डजिटल अर्थव्यवस्था का व्यापक विश्लेषण प्रदान करती है ।

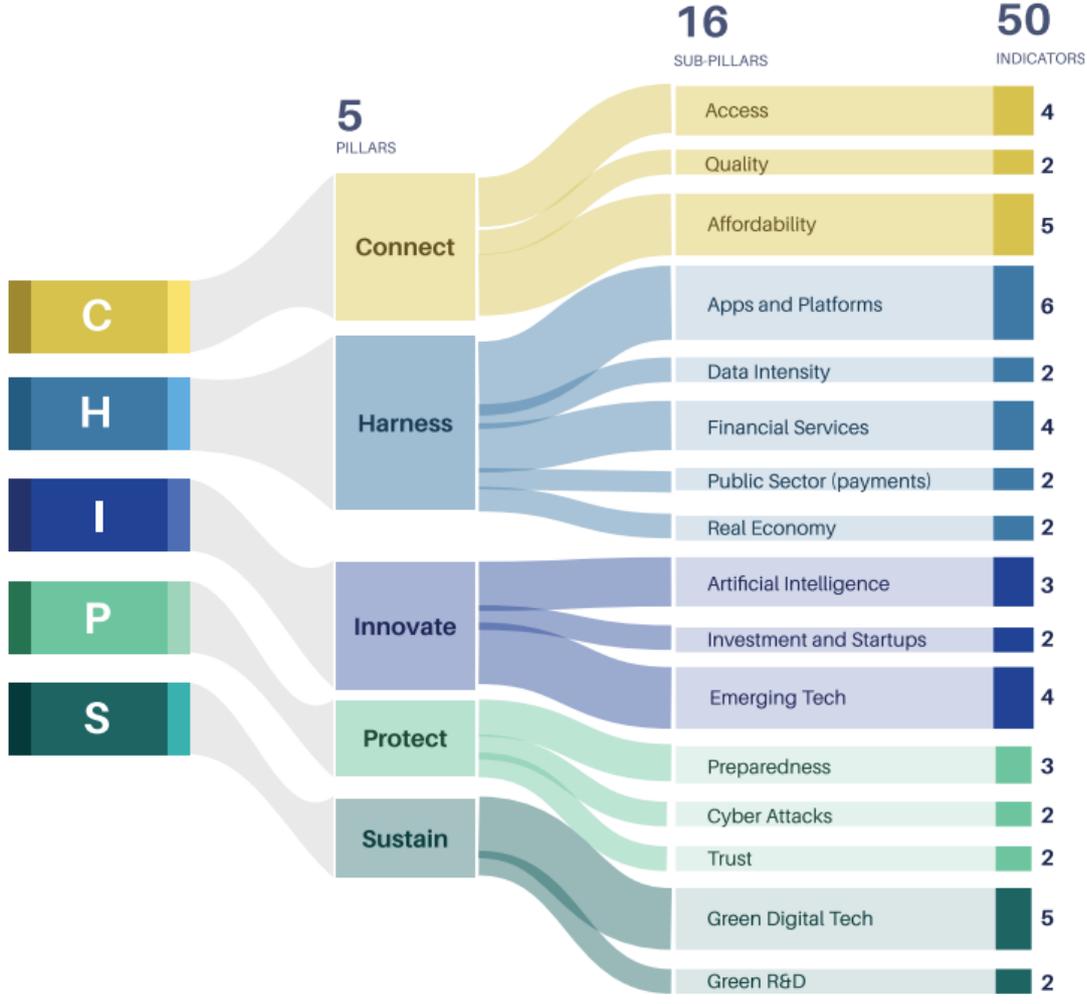
### भारत की डजिटल अर्थव्यवस्था रिपोर्ट 2024 की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- भारत की डजिटल अर्थव्यवस्था की स्थिति: अर्थव्यवस्था-व्यापी डजिटलीकरण के संदर्भ में भारत विश्व में तीसरी सबसे बड़ी डजिटल अर्थव्यवस्था (अमेरिका और चीन के बाद) है ।
  - व्यक्तगत उपयोगकर्ताओं के डजिटलीकरण के मामले में यह G-20 देशों में 12 वें स्थान पर है, जो औसत उपयोगकर्ता डजिटलीकरण में कमी को दर्शाता है ।
- डजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान: वर्ष 2022-23 में, डजिटल अर्थव्यवस्था ने [सकल घरेलू उत्पाद](#) में 11.74% का योगदान दिया, जिसके वर्ष 2024-25 तक बढ़कर 13.42% होने का अनुमान है ।
  - इसमें 2.55% [कार्यबल कार्यरत](#) है तथा उत्पादकता समग्र अर्थव्यवस्था से 5 गुना अधिक है ।
- पूर्वानुमान: वर्ष 2029-30 तक, डजिटल अर्थव्यवस्था कृषि और वनरिमाण को पीछे छोड़ते हुए [सकल घरेलू उत्पाद](#) में एक-पाँचवें (20%) का योगदान करने की उम्मीद है ।
- क्षेत्रवार वभिदन: पारंपरिक ICT क्षेत्र डजिटल अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है, जबकि बिगि टेक और प्लेटफॉर्म सहित नए डजिटल उद्योग, GVA का लगभग 2% हिस्सा हैं ।
- राज्य-स्तरीय असमानताएँ: कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात और हरयाणा जैसे अमीर राज्य गरीब राज्यों की तुलना में उच्च डजिटलीकरण स्तर प्रदर्शित करते हैं ।

### CHIPS (कनेक्ट-हारनेस-इनोवेट-प्रोटेक्ट-सस्टेन):

- SIDE 2024 में प्रस्तुत CHIPS (कनेक्ट-हारनेस-इनोवेट-प्रोटेक्ट-सस्टेन) ढाँचा, परिणामों और जोखिमों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, डजिटलीकरण को मापने के लिये एक व्यापक [दृष्टिकोण](#) प्रदान करता है ।
- इंटरनेट पहुँच पर जोर देने वाले पारंपरिक सूचकांकों के वपिरीत, CHIPS ढाँचे में 5 स्तंभ (कनेक्ट, हारनेस, इनोवेट, प्रोटेक्ट, सस्टेन) और 50 संकेतक शामिल हैं, जो राष्ट्रीय एवं उप-राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर तुलना को सक्षम बनाते हैं ।

//

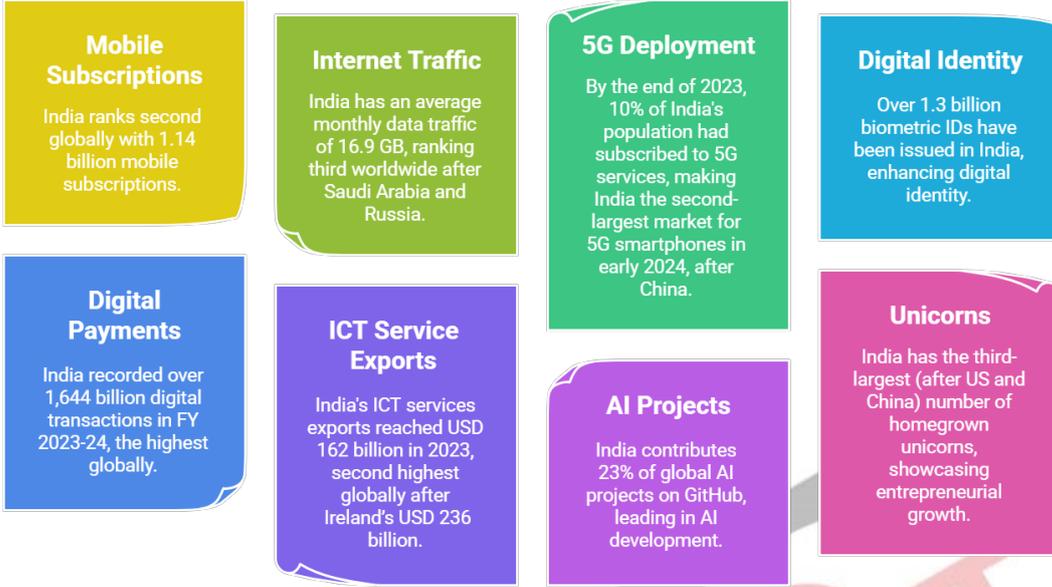


Source: IPCIDE Research

## भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास के प्रमुख चालक कौन-से हैं?

- डिजिटल अवसंरचना का वसतिार:** भारत की डिजिटल अवसंरचना शहरी-ग्रामीण वभाजन के अंतर को कम कर रही है तथा एक जीवंत डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे रही है।
  - भारतनेट** जैसी पहल ग्रामीण क्षेत्रों में हाई-स्पीड इंटरनेट प्रदान कर रही है, जबकि **5जी** रोलआउट द्वारा विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में डिजिटल अपनाने, ई-गवर्नेंस, ई-कॉमर्स, फनितेक और आईटी सेवाओं को बढ़ा दिया जा रहा है।
  - ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC)** जैसे कार्यक्रम छोटे व्यवसायों को डिजिटल बाज़ार में प्रवेश करने में सक्षम बना रहे हैं।
- स्मार्टफोन की बढ़ती पहुँच:** कफियाती स्मार्टफोन और कम लागत वाले डेटा ने भारत को मोबाइल-प्रथम अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित कर दिया है, जिससे ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान और मनोरंजन तक पहुँच बढ़ गई है।
  - घरेलू वनिर्माण प्रोत्साहन द्वारा भारत की आत्मनिर्भर भारत पहल को समर्थन दिया जा रहा है।
- वैश्विक क्षमता केंद्र (GCC):** भारत में विश्व के 55% GCC स्थित हैं, जो सूचना प्रद्योगिकी सहायता, अनुसंधान एवं विकास तथा व्यवसाय प्रक्रिया प्रबंधन जैसी आवश्यक सेवाएँ प्रदान करते हैं।
- स्टार्ट-अप इकोसिस्टम और इनोवेशन:** भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम डिजिटल इनोवेशन का एक प्रमुख चालक है। **स्टार्ट-अप इंडिया** जैसी पहल और महत्त्वपूर्ण फंडिंग से टेक स्टार्टअप्स को बाज़ार की विशेष आवश्यकताओंकी पूर्तिकरने में सहायता मिली है।
  - वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद, वर्ष 2024 में भारतीय स्टार्टअप्स को 30.4 बलियन अमरीकी डॉलर का वित्त पोषण प्राप्त हुआ।
- डिजिटल वित्तीय समावेशन:** **UPI** और **जन धन खाते** जैसे कार्यक्रमों से भारत में, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, **वित्तीय समावेशन** में सकारात्मक परिवर्तन हो रहे हैं।
  - अक्टूबर 2024 में UPI के माध्यम से 16.58 बलियन लेनदेन के साथ कुल 23.49 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ।

## India's Digital Advancements



## नषिकरष

भारत की डजिटल अरथव्यवस्था आरथकि वकिस और रोजगार की दृषटि से एक प्रमुख चालक है। डजिटल प्लेटफॉर्म के उदय के साथ-साथ पारंपरिक कषेत्रों में आए डजिटल परिवर्तनों से उद्योगों का रूपांतरण हो रहा है और रोजगार के नए अवसर सर्जति हो रहे हैं। डजिटल साक्षरता में वृद्धि, उभरती प्रौद्योगिकियों के स्वीकरण और रोजगार की संभावनाओं के वसितार के साथ, भारत डजिटल परिवर्तन में अग्रणी देश की भूमिका नभाने हेतु उपयुक्त स्थिति में है, जसिसे संधारणीय और समावेशी वकिस सुनश्चिति होता है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????:**

प्रश्न. नमिनलखिति पर वचिर कीजयि: (2022)

1. आरोग्य सेतु
2. कोवनि
3. डजिटल लॉकर
4. दीकषा

उपर्युक्त में से कौन-से ओपन-सोर्स डजिटल प्लेटफॉर्म पर बनाए गए हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 1, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

**??????:**

प्रश्न. "चौथी औद्योगिक क्रांति (डजिटल क्रांति) के प्रादुर्भाव ने ई-गवर्नेन्स को सरकार का अवभाज्य अंग बनाने में पहल की है"। वचिर कीजयि। (2020)

